डाक पंजीयन क्रमांक - म.प्र./भोपाल/357/2021-23

मुद्रित पत्र रजि. नं./आर.एन./13063/1967

मध्यप्रदेश सहकारी समाचार

मध्यप्रदेश राज्य सहकारी संघ भोपाल का प्रकाशन

Website : www.mpscu.in
E-mail : rajyasanghbpl@yahoo.co.in

हिन्दी/पाक्षिक

प्रकाशन 1 फरवरी, 2023, डिस्पेच दिनांक 1 फरवरी, 2023

| वर्ष 66 | अंक 17 | भोपाल | 1 फरवरी, 2023 | पृष्ठ 8 | एक प्रति 7 रु. | वार्षिक शुल्क 150/- | आजीवन शुल्क 1500/- |

मध्यप्रदेश के विकास के लिये हर नागरिक अपनाए एक नेक कार्य

मुख्यमंत्री श्री चौहान ने जबलपुर में गणतंत्र दिवस समारोह में राष्ट्र ध्वज फहराया, की घोषणाएँ

17 करोड़ हाथ आगे बढ़ा कर बनायें मध्यप्रदेश

जबलपुर के निकट भटौली क्षेत्र में बनेगा इंडस्ट्रियल टाउन

औद्योगिक विकास की रफ्तार होगी तेज

भोपाल के बाद अब जबलपुर में बनेगा ग्लोबल स्किल पार्क

महाकौशल के विकास पर विशेष फोकस

रविदास जयंती से हितग्राहियों को मिलेंगे योजनाओं के लाभ

भोपाल : मुख्यमंत्री श्री शिवराज सिहं चौहान ने कहा है कि मध्यप्रदेश को आगे बढ़ाने और विकास के लिये हर नागरिक अपना योगदान दे।

मध्यप्रदेश के नागरिक कोई एक नेक कार्य अपनाएँ। इनमें पौधे लगाना, पर्यावरण-संरक्षण पानी बचाना, बिजली की बचत, नशामुक्ति शामिल हों। जनता के सहयोग से ही मध्यप्रदेश को आगे बढ़ाएंगे।

हर नागरिक सर्वश्रेष्ठ योगदान दे। जन-भागीदारी के मंत्र से आत्म-निर्भर मध्यप्रदेश का निर्माण करें। सरकार के साथ सभी के सहयोग से हमें मध्यप्रदेश बनाना है। प्रदेश के साढ़े आठ करोड़ नागरिकों के 17 करोड़ हाथ आगे आयें और विकसित मध्यप्रदेश के लक्ष्य को पूरा करने में सहयोग करें।

मुख्यमंत्री श्री चौहान आज जबलपुर में गैरीसन ग्राउंड में गणतंत्र दिवस समारोह में राष्ट्रीय ध्वज फहराने के बाद जनता को संबोधित कर रहे थे।

नर्मदा मैया का कॉरिडोर, घाट परस्पर जुड़ेंगे

मुख्यमंत्री श्री चौहान ने कहा कि संस्कारधानी जबलपुर में आकर मन प्रसन्न है। कल संध्या के समय नर्मदा जी के घाट पर जाने का अवसर मिला। नर्मदा मैया हम सभी को आशीर्वाद देती हैं। जबलपुर के नर्मदा घाटों का कॉरिडोर बनाया जायेगा। नर्मदा के घाटों के उन्नयन कार्य के साथ ही उन्हें परस्पर जोड़ने का कार्य कर नर्मदा पथ विकसित किया जायेगा। तीन चरणों में अलग-अलग नर्मदा परिक्रमा पथ बनेंगे।

औद्योगिक क्षेत्र का विकास

मुख्यमंत्री श्री चौहान ने कहा कि मध्यप्रदेश में औद्योगिक प्रगति के लिये बहुआयामी प्रयास किये जा रहे हैं। हाल ही में इंदौर में हुई ग्लोबल इन्वेस्टर्स समिट में 15 लाख 40 हजार 550 करोड़ रूपये के निवेश प्रस्ताव मिले हैं। इससे करीब 29 लाख लोगों को जीविका मिलेगी। मुख्यमंत्री श्री चौहान ने कहा कि जबलपुर में भटौली क्षेत्र में औद्योगिक नगर विकसित होगा। इसके लिये भूमि चिन्हित कर ली गई है। गारमेन्ट और टेक्सटाइल की इकाइयाँ बनेंगी। ये इकाइयाँ बहन और बेटियों के आर्थिक उन्नयन का भी मजबूत माध्यम हैं। इस क्षेत्र में रहवासी इलाके विकसित होंगे। भंडारण सुविधाएँ भी विकसित होंगी। हमारा प्रयास है कि ग्रीन फील्ड शहर की अवधारणा को लागू करें। जबलपुर के इस क्षेत्र में रिंग रोड और राष्ट्रीय राजमार्ग की निकटता होने से औद्योगिक विकास की अच्छी संभावनाएँ हैं। इन संभावनाओं को साकार किया जायेगा।

महाकौशल के विकास पर फोकस

मुख्यमंत्री श्री चौहान ने कहा कि महाकौशल अंचल में अनेक विकास कार्य हो रहे हैं। करीब 66 हजार करोड़ की सिंचाई परियोजना के कार्य जारी हैं। केन-बेतवा परियोजना के लिये 44 हजार करोड़ की राशि प्राप्त हो रही है। बरगी बांध की निर्माणाधीन टर्नल पर स्लीमनाबाद के पास कार्य चल रहा है। अब तो विंध्य अंचल में नागौद तक पानी पहुँचने वाला है। जबलपुर के शहरी क्षेत्र के साथ ही निकटवर्ती ग्रामीण क्षेत्रों का तेजी से विकास होगा। जबलपुर में 3500 करोड़ रूपये लागत का रिंग रोड बन रहा है। प्रदेश का दूसरा ग्लोबल स्किल पार्क जबलपुर में बनाया जायेगा। इसमें युवाओं को प्रशिक्षित किये जाने की व्यवस्था होगी। प्रदेश के स्किल्ड युवा दुनिया के देशों में जाकर सेवाएँ देंगे। अधो-संरचना को मजबूत बनाने वाले सभी कार्य तेज गति से चल रहे हैं। पूरे प्रदेश में बुनियादी आवश्यकताओं की पूर्ति का संकल्प है।

प्रधानमंत्री के नेतृत्व में बन रहा शक्तिशाली भारत

मुख्यमंत्री श्री चौहान ने कहा कि प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में वैभवशाली, गौरवशाली और शक्तिशाली भारत का निर्माण हो रहा है। भारत दुनिया की 5वीं सबसे बड़ी अर्थ-व्यवस्था वाला देश है। आने वाले कुछ वर्ष में भारत का क्रम तीसरा होगा। प्रधानमंत्री श्री मोदी ने कोरोना काल में वैक्सीन के निर्माण और अन्य देशों को सहयोग का उदाहरण दुनिया में प्रस्तुत किया।

(शेष पृष्ठ 6 पर)

राज्य सहकारी संघ में 74वां गणतंत्र दिवस मनाया

भोपाल। 74वां गणतंत्र दिवस के आयोजन में मध्यप्रदेश राज्य सहकारी संघ, भोपाल द्वारा झण्डावंदन महाप्रबंधक श्री संजय कुमार सिंह के कर कमलों द्वारा किया गया। झण्डा वंदन के समय राज्य सहकारी संघ मुख्यालय के सभी अधिकारी एवं कर्मचारी उपस्थित रहे। झण्डावंदन उपरांत श्री संजय कुमार सिंह द्वारा म.प्र. राज्य सहकारी संघ को वस्त्र मंत्रालय, भारत सरकार द्वारा प्राप्त प्रोजेक्ट की स्वीकृति से अवगत कराते हुये इस कार्य को संपादित किये जाने का संकल्प अपने सहयोगी साथियों के साथ किया और इस प्रोजेक्ट के प्राप्त होने से राज्य सहकारी संघ को आत्मनिर्भर बनने में अहम भूमिका रहेगी। आपने अपने उदबोधन में बताया कि फिलहाल राज्य सहकारी संघ की भूमि पर भोपाल, इंदौर, नौगांव (छतरपुर) में प्रशिक्षण केन्द्र एवं एम्पोरियम का निर्माण किया जावेगा। इस हेतु वस्त्र मंत्रालय की ओर से अनुमति प्राप्त हो चुकी है। अतः हम सब का प्रयास होगा कि हम इस दायित्व को समय सीमा में पूर्ण करें। आपने यह भी अवगत कराया कि राज्य सहकारी संघ के नवनिर्मित प्रशिक्षण केन्द्र भवन जबलपुर एवं नौगांव कार्य प्रगति पर है। आगामी गणतंत्र दिवस नवीन भवन में ही आयोजित होगा।

झण्डावंदन का कार्यक्रम म.प्र. राज्य सहकारी संघ द्वारा संचालित प्रशिक्षण केन्द्र इंदौर, जबलपुर एवं नौगांव (छतरपुर) में भी केन्द्र के प्राचार्य द्वारा 74 वां गणतंत्र दिवस समारोह सम्मानपूर्वक आयोजित किया गया।

निबंध एवं पेंटिंग प्रतियोगिता के पुरुस्कार वितरण

भोपाल। 69वां अखिल भारतीय सहकारी सप्ताह दिनांक 14 नवम्बर 2022 से 20 नवम्बर 2022 तक भोपाल जिले के स्कूलों, कालेजों में वाद–विवाद, निबंध, पेंटिंग प्रतियोगिता में प्रथम द्वितीय एवं तृतीय श्रेणी में चयनित प्रतिभागियों को 74 वें गणतंत्र दिवस के अवसर पर स्कूलों में आयोजित समारोह में पुरूस्कार एवं प्रमाणपत्र वितरण सहकारी प्रशिक्षण केन्द्र, भोपाल के प्राचार्य श्री गणेश प्रसाद मांझी, वरि.सहकारी निरीक्षक, श्री संतोष येडे, राज्य समन्वयक तथा स्कूल के प्राचार्य एवं शिक्षक व शिक्षिकाओं के साथ वितरित किया गया। प्रमाणपत्र वितरण समारोह में प्राचार्य श्री गणेश प्रसाद मांझी द्वारा सहकारिता से प्रदेश की समृद्धि हेतु किये जा रहे योगदान पर व्याख्यान देते हुये बच्चों को प्रेरित किया गया। स्कूल के प्राचार्य द्वारा कार्यक्रम एवं प्रतिभागियों को दिये जाने

श्रीमती रेखा पिप्पल, व्याख्याता, श्री अविनाश सिंह, सेवानिवृत्त वाले पुरूस्कार हेतु राज्य सहकारी संघ का आभार व्यक्त किया।

तीन दिवसीय नेतृत्व विकास कार्यक्रम का समापन

सीहोर। राष्ट्रीय सहकारी संघ मर्यादित नई दिल्ली एवं जिला सहकारी संघ मर्यादित सीहोर के संयुक्त तत्वाधान में 18 जनवरी से 20 जनवरी 2023 तक प्राथमिक कृषि साख सहकारी संस्थाओं के कर्मचारियों लिए नेतृत्व विकास प्रशिक्षण कार्यक्रम के अन्तर्गत द्वितीय दिवस के प्रशिक्षण के उपरान्त अध्ययन भ्रमण कार्यक्रम अन्तर्गत प्राथमिक कृषि साख सहकारी संस्था मर्यादित नापलाखेड़ी तथा कुबेरेश्वर धाम का भ्रमण किया गया।

दिनांक 20 जनवरी 2023 को माननीय भूपेन्द्र प्रताप सिंह उपायुक्त सहकारिता जिला सीहोर के मुख्य आतिथ्य में श्री पी. एन. यादव, मुख्य कार्यपालन अधिकारी जिला सहकारी केन्द्रीय बैंक मर्यादित सीहोर की अध्यक्षता में श्री सुनील कुमार सक्सेना वरिष्ठ सहकारी निरीक्षक एवं प्रशासक जिला सहकारी संघ मर्यादित सीहोर एवं तेजसिंह ठाकुर मुख्य कार्यपालन अधिकारी , श्री के एल. राठौर एवं एन. के. कसारा पूर्व प्राचार्य सहकारी प्रशिक्षण केन्द्र इन्दौर की उपस्थिति में कार्यक्रम का समापन किया गया। प्रशिक्षण में प्राथमिक कृषि साख सहकारी संस्था मर्यादित निपानियाकलॉ, बिजोरी, मोगराराम, महोड़िया, खामलिया, चन्देरी, थूना - पचामा, मुंगावली, मुस्करा, नापलाखेड़ी, मूण्डला के 33 कर्मचारियों ने भाग लिया।

इस अवसर पर भूपेन्द्र प्रताप सिंह उपायुक्त सहकारिता जिला सीहोर द्वारा सम्बोधित करते हुए कहाकि सभी कर्मचारी पूर्ण ईमानदारी, निष्ठा के साथ संस्था हित में कार्य करें, ताकि संस्था प्रगति की ओर अग्रसर हो।

कार्यक्रम की अध्यक्षता करते हुए पी एन यादव मुख्य कार्यपालन अधिकारी, जिला सहकारी केन्द्रीय बैंक मर्यादित सीहोर द्वारा कहाकि सहकारिता के विकास में ग्रामीण क्षेत्र की कृषि साख सहकारी समितियों की महत्वपूर्ण भूमिका है। जिसमें प्रबंधक का दायित्व बैंक व संस्था के सदस्यों के बीच समन्वय स्थापित कर संस्था के सभी सदस्यों को शासन की योजनाओं से लाभान्वित करते हुए संस्था को प्रगति की ओर ले जाना है।

कार्यक्रम के समापन अवसर पर जिला सहकारी संघ मर्यादित सीहोर के मुख्य कार्यपालन अधिकारी श्री तेजसिंह ठाकुर द्वारा प्रशिक्षण में सहयोग हेतु उपस्थित सभी अतिथि व प्रशिक्षणार्थीयों के प्रति आभार प्रकट किया गया।

संजय कुमार सिंह बने प्रांताध्यक्ष

क्र.	नाम	पद	जिला
1	श्री संजय कुमार सिंह	प्रातांध्यक्ष	भोपाल
2	श्री दारा सिंह यादव	उप प्रातांध्यक्ष	भोपाल
3	श्री पंकज श्रीवास्तव	वरिष्ठ उपाध्यक्ष	भोपाल
4	श्री विरेन्दर सिंह	महासचिव	भोपाल
5	श्रीमति सपना सोनी	संयुक्त सचिव	भोपाल
6	श्री भूषण जड़े	संयुक्त सचिव	खरगोन
7	श्री भास्कर शर्मा	संयुक्त सचिव	मुरैना
8	डॉ. निधी भदौरिया	प्रचार सचिव	उज्जैन
9	श्री मोह. आरिफ कुरैशी	प्रचार सचिव	छिंदवाड़ा
10	श्रीमति सपना गुहा	कोषाध्यक्ष	भोपाल
11	श्री मुकुन्द राव भैसारे	सदस्य	भोपाल
12	श्री मुकेश गुप्ता	सदस्य	भोपाल
13	श्री विनोद कुमार जैन	सदस्य	सीहोर
14	श्री रामचन्द्र अहिरवार	सदस्य	हरदा
15	श्री एम एस भदौरिया	वरिष्ठ उपाध्यक्ष, नामांकित	विदिशा

भोपाल। मध्यप्रदेश सहकारिता संघ, भोपाल की प्रांतीय विभाग कार्यपालन कर्मचारी समिति के निर्वाचन श्री ओ. पी. भार्गव, रिटर्निंग ऑफीसर द्वारा दिनांक 29.01.2023 को म.प्र. राज्य सहकारी संघ, मर्या. भोपाल के सभागार में संपन्न कराया गया जिसमें निम्नानुसार पदाधिकारियों को निर्विरोध निर्वाचित घोषित किया गया। उक्तानुसार निर्वाचित पदाधिकारियों की घोषणा के पश्चात् संघ के निर्वाचित पदाधिकारियों एवं निवृत्तमान प्रातांध्यक्ष श्री अविनाश सिंह तथा अन्य पदाधिकारियों का स्वागत किया गया। जिसमें विशेष रूप से श्री संजीव गुप्ता, श्री बृजेश चौहान, श्री ज्ञानचंद्र पाण्डे सहित सभी जिलों से पधारे संघ के सदस्य उपस्थित रहे।

पीएम किसान योजना की राशि को बढ़ाकर 8000 रूपये किया जाएगा

नई दिल्ली: केंद्र पीएम किसान योजना राशि को 6000 प्रति वर्ष से बढ़ाकर 8000 करने के लिए काम कर रहा है। अंतिम निर्णय की घोषणा वर्ष 2023 के बजट सत्र के दौरान की जाएगी जो 31 जनवरी से निर्धारित है।

किस्त में यह बढ़ी हुई राशि खपत और मांग को यथावत रखने में मदद करेगी। इससे किसानों को महंगाई से बचने में भी मदद मिलेगी। 8000 रुपये की बढ़ी हुई राशि वाली पीएम-किसान योजना से सरकार को 22 हजार करोड़ अतिरिक्त खर्च होंगे।

पीएम किसान किसानों के लिए डायरेक्ट बैंक ट्रांसफर स्कीम है जहां सरकार किसानों को सीधे 2000 रुपये की तीन समान किस्तों में 6000 रुपये ट्रांसफर करती है। यह दुनिया की सबसे बड़ी प्रत्यक्ष बैंक हस्तांतरण योजना है।

Report on Workshops Conducted on the occasion of 69th Akhil Bhartiya SahkaritaSaptah

On the occasion of the 69th Akhil Bhartiya SahkariSaptah, two events were hosted under the aegis of Madhya Pradesh Minor Forest Produce Federation (MP-MFP) at Processing and Research Center (MFP-PARC) on 19 November 2022. Workshops conducted under the themes "Yuva, Mahila, kamjorvargevam Swasthya ke liye Sahkarita" and "Vanausadhiyon ke Mahattav evam Vinashkar vihin Vidohan".

First Session: Yuva, Mahila, kamjorvargevamSwasthyakeliyeSahkarita

Time: 11:00 AM to 1:30 PM

The first event was conducted on the topic of "Yuva, Mahila, kamjorvargevamSwasthyakeliyeSahkarita".Dr Deleep Kumar (CEO-MPMFP-PARC and AMD-Legal and Cooperatives, MP-MFP) chaired the event. ShreeRituraj Ranjan, Management Director Madhya Pradesh Rajya Sahkari Sangh graced the occasion as the chief guest for the event, Dr Purnima Date was present as special guest of the event.

Shree D.P. Singh from MPMFP Federation hosted the event.

Participants: Members of the Management Committee and Manager of Van Dhan Kedra-Saheli, Primary Forest Cooperative-Rehti, Shree Sanjay Maurya, Manager Accounts, MPMFP Federation,Representatives from Business Management Unit (BMU-MPMFP), Staff representatives and teams from MPMFP-PARC.

The event was started off with theopening session by Shree D.P Singh followed by lightening ofauspicious lamp by the chief guest and session chair. Dr Deleep Kumar felicitated the guests with flower bouquets as a welcome gesture.

In the opening remarks, SriD.P.Singh shared the history of the cooperatives and their importance and revolutionary effects from the pre-independence-day to till now and in the future as well. He highlighted that the cooperative movements had not only benefited the citizens of our country but has changed the life of the many residing in other corners of the world. In this process of cooperative movements, he has shared the importance

of the MPMFP-PARC and how it is benefitting the lives of the people via including the people living at the bottom of the poverty line and the far-reaching benefits in improving the health condition of the people living in the different parts of the worlds.

After the opening remarks by Mr. D.P.Singh Sir, MD-Madhya Pradesh Rajya Shakari Sangh Mr. Rituraj Ranjan was invited to share thoughts on the importance of cooperation. He started with expression of gratitude to MPMFP-PARC for inviting him as the chief guest for event. He shared insights on the role cooperatives have played for the country and human life in pastand expressed belief in the cooperative for the future as well. He mentioned that the nectar that emerged from the cooperatives played a crucial role in the formulation of the policy at national and global level. He also said that because of the positive experience of the cooperatives, now a separate ministry at the union level has been formulated and sooner our country is going to have a national policy on cooperatives which is going to be very important for the country.

He has appreciated the efforts of MP-MFP for demonstrating the unique and sustainable process of Tendu Patta collection and its impact on the life of the rural populations. He also congratulated the MP MFP Federation for standing 3rd in the country in terms of minor forest production. He appreciated the efforts of women and youth in the dimension of the cooperative

movements and in the health sector especially during the corona period. He appreciated the contribution of cooperatives especially the contribution of MP-MFP, MPMFP-PARC, and Primary Cooperative unions for helping the people in this crucial time. He said that Humare cooperatives ne corona kaal mein swarth se pare evamsewabhav se karyakiya. He said that he has hope and belief that soon these kinds of cooperatives are going to contribute significantly to the health domain of the people.

He also suggested that the federation needs to think about the inclusion of the people who have not yet become part of the cooperatives and also the federation needed to channel the efforts in the dimension of the marketing and diversification of the products so that it can play a significant role in the dimension of the development of the country. He suggested that collaboration from the different departments can encourage the role of the cooperatives. And there are other programs where we can explore the possibility of convergence. These programs can be the National Cooperative Development Cooperation, National Yuva Kendra, and others.

In the end, he said that all the cooperatives have tremendous Antarnihitshaktiyaan (Internal Power) and the effects of this internal power are not going to limit to only economic power but also in the areas of the social and political sphere as well.

After the address bychief guestrepresentative from Business Management Unit (BMU) at MPMFP federation - Mr. Hari Kant Gupta,shared his experiences with reference to cooperatives. He shared his experiences and examples of some successful cooperatives engaged in various areas such as poultry, mushroom, sericulture, and other domains. Mr. Pranav Dubey from BMU also shared his thoughts related to the scope and importance of cooperatives for tapping the market potential.

(शेष पृष्ठ 4 पर)

(पृष्ठ 3 का शेष)

Report on Workshops Conducted on the occasion of 69th Akhil Bhartiya SahkaritaSaptah

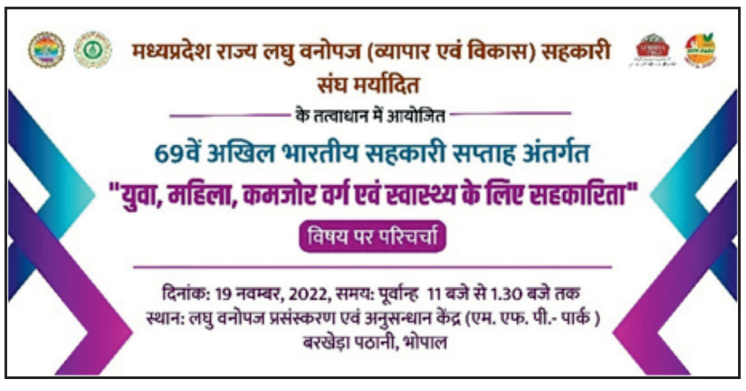

Following the above, Shri. D.P.Singh invited Dr Purnima Date for sharing her experiences in referenceto scopes and contributions of Youth, Women, and cooperatives into the health dimensions. Dr Date is the Director and Consultant of Arogya Yoga Evam RasaharaShodha Samiti. Dr Date shared that she always considered the cooperatives as a joint family. She drew on the analogy between traditional joint families and the cooperative societies' structure. Whatever the principle applies forrunning the joint family, the same principle applies to managing and running the cooperatives. Like in a good joint family, everybody has their responsibility and recognition of their contribution in a similar way in a good cooperative everybody put their efforts to manage the cooperatives and their contribution gets recognized. Dr Date shared the different parameters of good cooperatives these parameters are:

- Maintaining transparency in every kind of activity and process
- Adhering the duties and responsibilities in an equitable manner
- Placing a strong monitoring system
- Having faith in everyone's efforts and contributions

By adhering these principles,any cooperatives can be strengthened and successful. Dr Date emphasized that in the process of strengthening, the management should be act as selfless (Niswarth). After this Dr. Date shared her experiences of Naturotherapy and role of cooperatives in scaling of Naturotherapy model for improving the life of the people and nation as well. In the line of Naturotheraphy she has shared her life and hands on experiences in the Domain of Rasahar and Ayurveda.

Sri D.P.Singh thanked Dr Date for sharing such a diverse and life changing experiences. Following this Dr Deleep Kumar was invited for sharing his views on the importance of cooperatives. Dr Deleep Kumarshared that the concept of cooperatives is not new for us however since the inception of our civilization we are living the cooperatives mode. He said that cooperative models existed around 10,000 years back when people started living in a civilized manner to fulfil their demands of food, water, irrigation and still for these dimensions in the daily life people are following the cooperative way of life, particularly in the village. He said that cooperatives are always an inspiration for us to collaboratively move together. After that, he has shared few successful initiates from his diverse past experiences on the lines of improving and strengthening agriculture, formulation and strengthening of Self-Help Groups (SHGs), and empowering the women inJhabua district of Madhya Pradesh. Dr Deleep Kumar emphasized the role of women in making cooperative movements as successful modelsto benefit marginalizedcommunities. He appreciated the worksby Women cooperatives during Corona period and the recognition by World Health Organization (WHO).

Dr Deleep Kumar also appreciated the thoughts of our previous leaders favouringthe inclusion of women group in the trainings of Herbs. He alsoexpressed his hopesthat the MPMFP will establish its unique identity in propagating the cooperatives movement. He was also hopeful that the way government is moving ahead on implementation of PESA Act, it can provide more strength to the Forest Cooperatives. At the end he made the concluding remarks with the statement:

सभ्यता से सहकारिता, सहकारिता से स्वास्थ्य, स्वास्थ्य से विकास

These line are self-explaining that how cooperatives, civilization, health, and development/growth are closely entangled with each other. In this dimension Van BhojRasoi, initiated by the MP MFP are setting the example.

The event was concluded with a vote of thanks from Shri V. SubramanaiPillai on behalf of MFP-PARCto all the dignitaries for sharing their rich experiences and encouraging all the participants.

Second Session: VanausadhiyonkeMahattavevamVinashkarvihinVidohan (Importance of Forest herbs and Sustainable Harvesting of herbs)

Time:02:30 AM to 4:30 PM

Participants: Members of the Management Committee and Manager of Van Dhan Kendra-Saheli, Primary Forest Cooperative-Rehti, Business Management Unit (BMU-MPMFP), staff and people engaged in the operation of MPMFP-PARC, Forest Dwellers and Gatherers

In this session, Dr Deleep Kumar (CEO-MPMFP-PARC and AMD-MPMFP) conducted an interactive session with the participants. The objective of the session was to orient the participants on the importance of forest herbs and Sustainable Harvesting practices.

For the orientation on the importance of Herbs, Dr Deleep Kumar conducted the interactive session. In the session, the participants from the Van Dhan Kendra and Primary Forest Cooperative-Rehti, and Forest Dwellers and Gatherers shared their experiences on what kind of herbs are available in their vicinities and how they are benefitting from these herbs. For example, importance of neem leaves and Bark, Stem of Karanj, Anoosa, Leaves of Gudmaar, etc… Participants shared their experiences of how they got benefitted from these herbs during the different time frames of their life.

In this session Dr Deleep Kumar also shared the importance of a few of the herbs such as; Arjun tea is beneficial in heart-related disorders, blood pressure, diabetic patients, and many other kinds of diseases, treatments of Diabetes by the Gudmaar leaves, Importance of Bel in treatment of stomach related issue, uses of Shatavari for enhancing the strength, especially of women and children, etc.

While talking to the importance of these herbs participants and Dr Deleep Kumar expressed concern on depletion of these herbs in the area. Participants shared that they have witnessed how the muslihas depleted in recent times; the area from where they used to get 50 Quintals of Moosli, now it is difficult to get a few quintals from there. Similarlythe declining the population of Char (Chironji) and Bel, etc was also discussed. Depletion of such important herbs is a deep concern for in terms of sustainability of forest resources for the future availability.

The concerns of depletion of these herbs and plants lead the discussion towards the sustainable harvesting practices. Dr Deleep Kumar shared with the participants that the conservation of these plants is very necessary for the benefits in the long run. Hence, we have to be very conscious that while harvesting any kind of forest produce, we should be cautious to not to harm the plants and trees of these herbs. Sustainable harvesting techniques for herbs which are automatically grown in the forest and that are harvested from the root without destroying the plantto avoid-depletion of the particular herbs. He told the gatherers "Paudhon ka upyogkareinlekinnashtnakarein" (We should take benefits from the Plants but shouldn't harm them).

Dr Deleep Kumar has emphasized the role and importance of the Van Dhan Kendras in sustainable harvesting practices. On the lines of sustainable harvesting practices, Dr Suman Mishra added her views that our religious and cultural traditions also teach us the importance and benefits of these herbs that's why in many of the festivals we worship some trees in plants.

At the end of the session, Dr Deleep Kumar invited the members of the Saheli Van Dhan Kendra to share their experience of running their Van Dhan kendra. The Manager of the Van Dhan Kendra shared the successful initiatives of their Van Dhan kendra such as:

- The demand for their Mahua Laddu is increasing recently they got an order of 60 kg of Mahua laddu
- They installed their stall in the event of the PESA program, where the Honourable CM visited to their stall and appreciated them
- They have installed a Machine for DaunaPattal plates making and recently they have got an order of supplying 25000 units of DaunsPattal plates
- Shortly we are planning to engage the members of the Van Dhan SHGs in the round year activities and we are planning to establish the Papad-making unit at our Kendra.

After thisMr Yadav from of Primary Forest Cooperative Society Rehti shared the story of Rehti and Vindhyaamrut and how the stakeholders are contributing to the successful operations of this unit.

नाबार्ड ने मध्य प्रदेश में 2023-24 के लिए प्राथमिकता क्षेत्र के लिए रु. 2,58,598 करोड़ की ऋण संभाव्यता का आंकलन किया

भोपाल। नाबार्ड ने मध्य प्रदेश राज्य में वर्ष 2023-24 हेतु बैंकों के लिए प्राथमिकता क्षेत्र के अंतर्गत रु.2,58,598 करोड़ का ऋण संभाव्यता का आंकलन किया है, जो पिछले वर्ष की तुलना में लगभग 6% अधिक है। इसी क्रम में, दिनांक 24 जनवरी 2023 को होटल ताज, भोपाल के सभाकक्ष में नाबार्ड द्वारा आयोजित "राज्य ऋण संगोष्ठी" के दौरान माननीय श्री जगदीश देवड़ा, वित्त मंत्री, मध्य प्रदेश सरकार द्वारा वर्ष 2023-24 के लिए स्टेट फोकस पेपर का विमोचन किया। भारत की 5 ट्रिलियन अर्थव्यवस्था में मध्य प्रदेश के 550 बिलियन डॉलर लक्ष्य प्राप्त हेतु कृषि ऋण की भूमिका एवं उसके प्रमुख मुद्दे पर नाबार्ड द्वारा प्रकाशित दस्तावेज़ का भी विमोचन किया गया।

इस कार्यक्रम में श्री नीरज निगम, क्षेत्रीय निदेशक, भारतीय रिजर्व बैंक, भोपाल; श्री निरूपम मेहरोत्रा, मुख्य महाप्रबंधक, नाबार्ड, श्री बिनोद कुमार मिश्रा, मुख्य महाप्रबंधक, भारतीय स्टेट बैंक, श्री तरसेम सिंह ज़ीरा, एसएलबीसी संयोजक, श्री अजित केसरी, अपर मुख्य सचिव , श्री जे एन कंसोटिया , अपर मुख्य सचिव, श्री अशोक बर्नवाल, अपर मुख्य सचिव, तथा प्रदेश के प्रमुख बैंक अधिकारियों ने सहभागिता की।

माननीय वित्त मंत्री श्री देवड़ा जी नाबार्ड द्वारा राज्य की अर्थव्यवस्था को बढ़ाने हेतु किए गए कार्यो की सराहना की और बैंकों और राज्य सरकार के प्रतिनिधियों से आह्वान किया कि वे कंधे से कंधे मिलाकर मिलजुल कर कार्य करें जिससे प्रदेश के ग्रामीण और कृषि क्षेत्र का विकास किया जा सके। बैंक अर्थव्यवस्था में बहुत महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं और उनके सकारात्मक सहयोग के बगैर आर्थिक एवं सामाजिक उन्नति संभव नहीं है। अत: राज्य सरकार, नाबार्ड, आरबीआई और सभी बैंकों से अपेक्षा है कि मध्य प्रदेश के सर्वांगीण विकास में सकारात्मक भूमिका निभाएं। उन्होने बैंकों से आह्वान करते हुए कहा कि नाबार्ड द्वारा आंकलित रु. 2,58,598 करोड़ के स्टेट फोकस पेपर के अनुसार अगले वित्तीय वर्ष में ऋण वितरित करें जिससे किसान, महिला, बेरोजगार युवक व युवतियाँ और उद्यमियों को विकास की मुख्य धारा में जोड़ा जा सके। मध्य प्रदेश सरकार कृषि और ग्रामीण विकास के लिए संकल्पबध्द है तथा इसके लिए हर जरूरी सहायता उपलब्ध करायेगी।

श्री निरूपम मेहरोत्रा, मुख्य महाप्रबंधक, नाबार्ड ने कृषि तथा ततसंबंधित विभिन्न क्षेत्रों में विकास की संभावना पर प्रकाश डाला तथा बताया कि वर्ष 2023-24 हेतु बैंक ऋण के माध्यम से वित्त पोषण के लिए उपलब्ध कुल संभाव्यता हेतु रु. 2,58,598 करोड़ का अनुमान है, जो कि 2022-23 (रु. 2,42,967 करोड़) के अनुमानों से 6.43% अधिक है। संधारणीय कृषि, किसान की आय में वृद्धि, कृषि में पूंजी निर्माण का सृजन, कृषि संबंधित गतिविधियों का विकास पर ध्यान केन्द्रित करना वित्त वर्ष 2023-24 के लिए संभावित आकलन में अन्य महत्वपूर्ण अंतर्निहित आधार हैं। इस दस्तावेज़ में अनुमानित प्राथमिकता वाले क्षेत्र की ऋण क्षमता, निश्चित रूप से वर्ष 2023-24 के लिए अपनी वार्षिक ऋण योजनाओं को तैयार करने में बैंकों के लिए एक उपयोगी

मार्गदर्शिका होगी और राज्य सरकार, नीति निर्माता और हितधारकों द्वारा उचित निर्णय और नीतियों से अनुकूल वातावरण तैयार करके राज्य के विकास में तीव्रता लाई जा सकेगी। इन सब प्रयासों से ही मध्य प्रदेश राज्य को 2027 तक 550 बिलियन डॉलर की अर्थव्यवस्था बनाई जा सकती है।

इसी दौरान मंच से प्रदेश में स्वयं सहायता समूह, वित्तीय साक्षरता, किसान उत्पादक समूहों के संवर्धन आदि में उत्कृष्ट कार्य के लिए उल्लिखित गतिविधियों में विभिन्न बैंकों को पुरस्कृत किया। वर्ष 2023 "अंतर्राष्ट्रीय मिलेट वर्ष" के रूप में मनाया जा रहा है, इस अवसर पर नाबार्ड द्वारा प्रदेश में प्रमुख रूप से पाए जाने वाले मिलेटस का प्रदर्शन "मिलेटस पवैलियन" के माध्यम से किया गया, जिसमें स्वास्थ की दृष्टि से मिलेटस का महत्व एवं उनके पोषण मूल्यों को प्रदर्शित किया गया। साथ ही "प्रदेश में नाबार्ड द्वारा मिलेटस के प्रोत्साहन हेतु" किये गए सफल प्रयासों पर एक पत्रक का विमोचन भी किया गया ।

श्री अजीत केसरी, अतिरिक्त मुख्य सचिव, मध्य प्रदेश शासन वित्त विभाग द्वारा क्रेडिट प्रवाह को व्यवस्थित करने में बैंकरों की अपेक्षाओं पर प्रकाश डाला गया। उन्होंने कहा कि बैंकों को फसल उत्पादन के वित्तपोषण के अलावा कृषि प्रसंस्करण और मूल्यवर्धन क्षेत्र के वित्तपोषण पर भी ध्यान देना चाहिए। श्री अशोक बर्नवाल, अतिरिक्त मुख्य सचिव ने राज्य में कृषि क्षेत्र के संबंध में विकास के संभावित क्षेत्रों पर भी प्रकाश डाला और आशा व्यक्त की कि बैंकों को बांस की खेती सहित लंबी अवधि की फसलों के वित्तपोषण के लिए आगे आना चाहिए। नीरज निगम, क्षेत्रीय निदेशक, भारतीय रिजर्व बैंक ने नाबार्ड द्वारा एक ब्लॉक से लेकर प्रदेश स्तर पर एक व्यापक दस्तावेज तैयार किए जाने के प्रयासों की सराहना की, जो प्रदेश की प्रगति के लिए ऋण लक्ष्य तय करने में सहायक होगा। उन्होंने सार्वजनिक क्षेत्र के बैंकों से कृषि ऋण क्षेत्र में प्रवेश करने वाली नई एजेंसियों के आलोक में अपने व्यवसाय मॉडल को फिर से तैयार करने का आह्वान किया। इसके अलावा, बैंकों को त्वरित निर्णय लेने और वित्तीय साक्षरता पर भी काम करने की आवश्यकता पर प्रकाश डाला।श्री बिनोद कुमार मिश्रा, मुख्य महाप्रबंधक, भारतीय स्टेट बैंक ने नाबार्ड की बौध्दिक क्षमता, दूरदर्शिता, अनुभव तथा लक्ष्य तक पहुंचने की क्षमता की प्रशंसा की और सभी बैंक प्रतिनिधियों की ओर से आश्वस्त किया कि इस लक्ष्य को पाने के लिए सभी बैंक मिलकर प्रयास करेंगे। श्री तरसेम सिंह ज़ीरा, एसएलबीसी संयोजक ने आश्वस्त किया कि इस लक्ष्य को पाने के लिए सभी बैंक मिलकर प्रयास करेंगे।

इस अवसर पर राज्य सरकार के विभिन्न विभागों और निगमों के वरिष्ठ अधिकारी तथा विभिन्न बैंकों के वरिष्ठ कार्यपालक उपस्थित थे।

भारत में कृषि की चुनौतियाँ अनेक

नई दिल्ली: भारत में कृषि एक महत्वपूर्ण आर्थिक गतिविधि है। यह सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) का 18.5% हिस्सा है और देश के कुल कार्यबल के 58% से अधिक को रोजगार प्रदान करता है। भारत विश्व में खाद्यान्न का दूसरा सबसे बड़ा उत्पादक है और दालों, चावल, गेहूँ, फलों और सब्जियों का अग्रणी उत्पादक है।

भारत में कृषि उत्पादन काफी हद तक सिंचाई के लिए मानसून की बारिश पर निर्भर है। भारत सरकार ने आधुनिक कृषि पद्धतियों को बढ़ावा देने और फसल उत्पादन बढ़ाने के लिए विभिन्न पहलों को लागू किया है। इनमें प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना, प्रधानमंत्री कृषि सिंचाई योजना, परम्परागत कृषि विकास योजना और राष्ट्रीय खाद्य सुरक्षा मिशन शामिल हैं। सरकार ने कृषि विस्तार कर्मियों के लिए प्रशिक्षण और क्षमता निर्माण प्रदान करने के लिए राष्ट्रीय कृषि विस्तार प्रबंधन संस्थान (मैनेज) की भी स्थापना की है।

इससे आधुनिक कृषि पद्धतियों को फैलाने और अधिक टिकाऊ कृषि क्षेत्र बनाने में मदद मिली है। सरकार ने कृषि जिंसों के ऑनलाइन व्यापार को बढ़ावा देने और किसानों को अपनी उपज बेचने के लिए एक पारदर्शी मंच प्रदान करने के लिए ई-नाम (राष्ट्रीय कृषि बाजार) पहल भी शुरू की है।

गौ-वंश चारे के लिये 132 करोड़ रूपये वितरित

भोपाल। गौ-संवर्द्धन बोर्ड कार्य परिषद के अध्यक्ष स्वामी अखिलेश्वारनंद गिरी ने बताया है कि प्रदेश के निराश्रित और भटके हुए गौ-वंश के चारा, भूसा और पशु आहार (सुदाना) के लिये इस वर्ष 132 करोड़ 71 लाख रूपये पंजीकृत शासकीय और अशासकीय गौ-शालाओं को अनुदान के रूप में वितरित किये गये हैं। उन्होंने बताया कि इसमें से गत दिवस अंतिम किश्त 66 करोड़ रूपये की राशि सभी जिलों के गौ-पालन एवं पशुधन समितियों के बैंक खातों में RTGS के जरिए ट्रांसफर कर दी गई है। जिला समितियों को निर्देशित किया गया है कि गौ-संवर्द्धन बोर्ड द्वारा पंजीकृत सभी शासकीय और अशासकीय गौ-शालाओं को यथाशीघ्र राशि वितरित कर दें। प्रदेश में 1665 पंजीबद्ध गौ-शालाएँ क्रियाशील हैं। इनमें 2 लाख 87 हजार गौ-वंश है।

नवीन ग्राम स्तरीय गौ-शालाएँ बनेंगी निराश्रित गौ-वंश का आश्रय

भोपाल। स्वामी अखिलेश्वारनंद गिरी ने बताया कि मुख्यमंत्री श्री शिवराज सिंह चौहान की अध्यक्षता में दिसम्बर 2022 में लिये गये निर्णय के परिपेक्ष्य में प्रदेश के जिन गाँवों में ग्राम पंचायत स्तर पर नवीन गौ-शालाएँ बन कर तैयार हो गई हैं, उनमें बेसहारा गौ-वंश को रखा जाकर देखभाल की जाएगी। चारा भूसा की अतिरिक्त अनुदान राशि से गौ-शालाओं का संचालन किया जाएगा। इसके लिये स्थानीय निकाय एवं आम नागरिकों का सहयोग भी लिया जाएगा। इससे किसानों के खेतों की फसल सुरक्षा के साथ गौ-वंश संरक्षण भी बेहतर होगा। वहीं निराश्रित गौ-वंश के सड़क पर न बैठने से दुर्घटनाओं में भी कमी आएगी।

डिजिटल एग्री मिशन से किसानों को मिलेगा नई टेक्नालाजी का लाभ : श्री तोमर

भोपाल: इंडिया इंटरनेशनल साइंस फेस्टिवल का भोपाल में समापन करते हुए केंद्रीय कृषि मंत्री श्री नरेंद्र सिंह तोमर ने कहा कि देश में विज्ञान और प्रौद्योगिकी का तेजी से विकास हो रहा है। हर क्षेत्र में इसकी उपयोगिता बढ़ी है। यह क्षेत्र केंद्र सरकार की प्राथमिकताओं में से एक है। केंद्रीय मंत्री ने कहा कि विज्ञान भारती, राज्य सरकार, केंद्र सरकार ने मिलकर देशभर के विद्यार्थियों, वैज्ञानिकों व स्टार्टअप्स के लिए इस आयोजन के माध्यम से एक सक्षम मंच उपलब्ध कराया। फेस्टिवल में बड़ी संख्या में छात्र-छात्राओं व युवाओं को आमंत्रित किया गया। उन्होंने कहा कि हमारा देश, युवा देश है। युवा ऊर्जा ही हमारे देश की सबसे बड़ी ताकत है। श्री तोमर ने कहा कि कृषि क्षेत्र में भी टेक्नालॉजी की वजह से काम करना आसान हो गया है, नुकसान कम हो रहा है और समय की बचत हो रही है। ड्रोन टेक्नालॉजी का उपयोग किसानों के लिए सुलभ किया जा रहा है। डिजिटल एग्रीकल्चर मिशन के माध्यम से किसानों को काफी लाभ मिलेगा। कृषि क्षेत्र में जिस प्रकार से अनुसंधान हो रहे है, उसके आधार पर हम कह सकते हैं कि आने वाले कल में तकनीक का इस्तेमाल करते हुए भारत अपनी उत्पादन व उत्पादकता को बढ़ाएगा। अपनी आवश्यकताओं की पूर्ति के साथ दुनिया के प्रति दायित्व का निर्वहन करने में भी सफल होगा।

श्री तोमर ने कहा कि सरकार की प्राथमिकता को इस बात से भी समझा जा सकता है कि तत्कालीन पूर्व प्रधानमंत्री श्री लाल बहादुर शास्त्री ने जय जवान-जय किसान का नारा दिया था और प्रधानमंत्री रहते श्री अटल बिहारी वाजपेयी ने इसे विज्ञान से जोड़ा और अब श्री मोदी ने जय जवान-जय किसान-जय विज्ञान के साथ जय अनुसंधान को भी जोड़ दिया है।

मध्य प्रदेश के विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी मंत्री श्री ओमप्रकाश सकलेचा ने भी इस समारोह को संबोधित किया। इस अवसर पर केंद्रीय विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी सचिव डा. चंद्रशेखर, अंतरिक्ष विभाग के सचिव श्री एस. सोमनाथ, विज्ञान भारती के महासचिव श्री सुधीर भदौरिया, मध्य प्रदेश शासन के सचिव श्री निकुंज श्रीवास्तव, डॉ. सुधांशु वृत्ति, डा. अनिल कोठारी भी उपस्थित थे।

इन प्रयासों के बावजूद भारत का कृषि क्षेत्र अभी भी कई चुनौतियों से प्रभावित है जैसे कम उत्पादकता, अपर्याप्त बुनियादी ढाँचा और ऋण तक सीमित पहुँच। देश को कृषि विस्तार सेवाओं और अन्य संबंधित सेवाओं जैसे मिट्टी परीक्षण और फसल सलाह की उपलब्धता में भी भारी अंतर का सामना करना पड़ रहा है।

पूरी आबादी के लिए खाद्य सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए भारत सरकार ने कृषि क्षेत्र को मजबूत करने के लिए राष्ट्रीय खाद्य सुरक्षा मिशन, राष्ट्रीय कृषि विकास योजना और प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना जैसी विभिन्न योजनाएं शुरू की हैं।

(पृष्ठ 1 का शेष)

मध्यप्रदेश के विकास के लिये हर नागरिक अपनाए....

आज हमारा देश स्वास्थ्य की दृष्टि से सुरक्षित है। आत्म-निर्भर भारत के निर्माण के लिये हमें आत्म-निर्भर मध्यप्रदेश का निर्माण करना है।

प्रदेश की विकास दर बढ़ी, प्रति व्यक्ति आय भी बढ़ी, मजबूत हुई अधो-संरचना

मुख्यमंत्री श्री चौहान ने कहा कि मध्यप्रदेश की विकास दर में वृद्धि हुई है, जो इस समय 19.76 प्रतिशत है और सबसे ज्यादा है। देश की अर्थ-व्यवस्था में योगदान 3.6 प्रतिशत से बढ़ कर 4.6 हो गया है। इसी तरह प्रति व्यक्ति वार्षिक आय जो वर्ष 2003 में सिर्फ 13 हजार थी, वह बढ़कर 1 लाख 37 हजार हो गई है। अधो-संरचना को मजबूत बनाते हुए सिंचाई, सड़क, बिजली, पेयजल आदि कार्यों को पूरा किया गया। मध्यप्रदेश अब टूटी-फूटी सड़कों के लिये नहीं बल्कि 4 लाख किलोमीटर लम्बाई की शानदार सड़कों के लिये जाना जाता है।

नवकरणीय ऊर्जा में अग्रणी

मुख्यमंत्री श्री चौहान ने कहा प्रदेश में नवकरणीय ऊर्जा क्षेत्र में लगातार कार्य हो रहा है। रीवा के सौर ऊर्जा संयंत्र के बाद ओंकारेश्वर में बांध की जल राशि पर फ्लोटिंग प्लांट स्थापित किया जा रहा है। नीमच, शाजापुर, छतरपुर और मुरैना में भी सौर ऊर्जा परियोजनाएँ क्रियान्वित होंगी। प्रदेश में कभी 3 हजार मेगावाट से भी कम बिजली होती थी, जो अब आठ गुना से अधिक हो गई है।

शिक्षा, स्वास्थ्य, बेटियों का सशक्तिकरण प्राथमिकता

मुख्यमंत्री श्री चौहान ने शिक्षा के क्षेत्र में सीएम राइज विद्यालयों, हिन्दी में मेडिकल और इंजीनियरिंग के पाठ्यक्रमों के संचालन, तीन करोड़ से ज्यादा कार्ड बना कर आयुष्मान भारत योजना को गति देने, लाड़ली लक्ष्मी योजना से बेटियों को महाविद्यालय में प्रवेश कर 25 हजार रूपये की प्रोत्साहन राशि और इसके बाद उच्च शिक्षा के लिये फीस की व्यवस्था के निर्णयों की भी जानकारी दी। मुख्यमंत्री श्री चौहान ने कहा कि मध्यप्रदेश की धरती पर बेटियों को गलत नजर से देखने वालों को बख्शा नहीं जायेगा। प्रदेश में 42 दुष्कर्मियों को फाँसी की सजा सुनाई गई है।

जमीन का अधिकार हर नागरिक को मिलेगा

मुख्यमत्री श्री चौहान ने कहा कि प्रदेश में रहने वाले प्रत्येक भूमिहीन व्यक्ति को जमीन का अधिकार मिलेगा। इसके लिए मुख्यमंत्री आवासीय भू-अधिकार योजना प्रारंभ की गई है। प्रत्येक परिवार को नि:शुल्क भूखंड प्राप्त होगा। कोई भी गरीब व्यक्ति बिना जमीन के नहीं रहेगा। हाल ही में टीकमगढ़ में 10 हजार से अधिक लोगों को भूखंड देकर इसकी शुरूआत की गई। सिंगरौली में भी 25 हजार से अधिक लोगों को प्लाट दिये गये। मुख्यमंत्री ने कहा कि मेहनत की कमाई से अपना मकान बनाने वालों के मकान को अवैध नहीं रहने दिया जायेगा। इसके लिये आवश्यक वैधानिक प्रावधान किये जा रहे हैं।

किसान-कल्याण और जनजाति समाज के हितों का संरक्षण

मुख्यमंत्री ने कहा कि किसानों को लाभान्वित करने के लिये दो वर्ष में फसल बीमा योजना की 17 करोड़ की राशि किसानों के खातों में अंतरित की गई। पेसा कानून से जनजाति भाई-बहनों के लिये जल, जमीन और जंगल के अधिकार सुनिश्चित किये गये हैं। अनुसूचित जाति के कल्याण के अनेक कार्य आगामी संत रविदास जयंती से प्रारंभ किये जा रहे हैं। इसी दिन से हितग्राहियों को विभिन्न योजनाओं का लाभ दिलवाने की शुरूआत भी की जा रही है। मुख्यमंत्री जन सेवा अभियान में चिन्हित हितग्राही विभिन्न योजनाओं का फायदा प्राप्त करेंगे।

मुख्यमंत्री श्री चौहान ने गिनाई प्रमुख उपलब्धियाँ

मुख्यमंत्री श्री चौहान ने प्रदेश की अनेक उपलब्धियों का भी उल्लेख किया। इनमें जल जीवन मिशन से प्रदेश के 56 लाख परिवारों तक नल से जल प्रदाय और इससे दोगुने परिवारों तक आने वाले वर्ष में यह सुविधा पहुँचाने, महिला स्व-सहायता समूहों से 44 लाख बहनों के आर्थिक उन्नयन और सशक्तिकरण, मुख्यमंत्री युवा उद्यमी योजना और 25 सौ से अधिक स्टार्टअप्स के माध्यम से युवाओं के नवाचारों को मिली सफलता, कानून-व्यवस्था की बेहतर व्यवस्थाएँ, नगरों में फ्लाई ओव्हर निर्माण, स्मार्ट सिटी विकास, बेहतर विद्युत प्रदाय, मुख्यमंत्री बाल हृदय उपचार योजना, मुख्यमंत्री बाल आशीर्वाद योजना का क्रियान्वयन शामिल है।

स्वतंत्रता सेनानियों के योगदान का स्मरण

मुख्यमंत्री श्री चौहान ने उपस्थित नागरिकों को गणतंत्र दिवस और बसंत पंचमी की बधाई दी। उन्होंने देश की स्वतंत्रता के लिये जान न्यौछावर करने वाले सेनानियों का स्मरण किया। मुख्यमंत्री श्री चौहान ने कहा कि अमर शहीदों के प्रति हम सभी कृतज्ञ हैं। नेताजी सुभाष चन्द्र बोस ने कहा था कि "तुम मुझे खून दो, मैं तुम्हे आजादी दूँगा" । नेताजी सुभाष चन्द्र बोस जबलपुर जेल में भी कई दिन रहे। राजा रघुनाथ शाह, शंकर शाह सहित अनेक देश भक्तों ने स्वतंत्रता के लिये संघर्ष का मार्ग अपनाया।

आम जन से जुड़ाव की शैली

मुख्यमंत्री श्री चौहान ने प्रारंभ में जबलपुर के गैरिसन ग्राउंड में गणतंत्र दिवस पर राष्ट्रीय ध्वज फहराया। समारोह राष्ट्रगान के साथ प्रारंभ हुआ। मुख्यमंत्री श्री चौहान ने परेड का निरीक्षण कर सलामी ली। हर्ष फायर की ध्वनि के बीच मुख्यमंत्री श्री चौहान ने आमजन का अभिवादन किया। समृद्धि के प्रतीक गुब्बारे आकाश में छोड़े गए। मुख्यमंत्री श्री चौहान ने स्वतंत्रता सेनानियों और लोकतंत्र सेनानियों से भेंट की और उन्हें सम्मानित किया। मुख्यमंत्री श्री चौहान ने केन्द्र सरकार द्वारा 25 जनवरी को घोषित पद्मश्री पुरस्कार से पुरस्कृत डॉ. एम.सी. डाबर को भी सम्मानित किया। मुख्यमंत्री श्री चौहान ने 37 विभाग के 114 अधिकारी- कर्मचारियों को सम्मानित किया। कार्यक्रम में मध्यप्रदेश गान की प्रस्तुति हुई और अनेक विभागों द्वारा योजनाओं और उपलब्धियों पर आधारित झांकियाँ निकाली गई। अनेक सांस्कृतिक प्रस्तुतियाँ हुई, जिनमें महाकौशल अंचल में रहने वाली बैगा जनजाति द्वारा किये जाने वाले प्रभावशाली लोक नृत्य, लोक संगीत की धुनों के साथ प्रस्तुत किये गये। इसके अलावा बुंदेली लोकनृत्य भी प्रदर्शित हुये। मुख्यमंत्री श्री चौहान कार्यक्रम में पूरे समय उपस्थित रहने के बाद आमजन के मध्य भी पहुँचे। उनकी आम जनता से जुड़ाव की शैली से प्रसन्नचित्त नागरिकों ने सेल्फी भी ली। मुख्यमंत्री श्री चौहान ने अनेक विभूतियों को सम्मानित भी किया। कार्यक्रम में जन-प्रतिनिधि, मीडिया प्रतिनिधि, अधिकारी-कर्मचारी, विद्यार्थी और बड़ी संख्या में नागरिक उपस्थित थे।

मुँहपका-खुरपका टीकाकरण में प्रदेश देश में प्रथम

भोपाल : पशुपालन मंत्री श्री प्रेम सिंह पटेल ने कहा है कि राष्ट्रीय पशु रोग नियंत्रण कार्यक्रम में मुँहपका-खुरपका (एफएमडी) टीकाकरण में मध्यप्रदेश एक बार फिर देश में प्रथम स्थान पर है। पशुपालन विभाग द्वारा प्रदेश में 183 लाख 11 हजार गौ-भैंस वंशीय पशुओं का टीकाकरण किया जा चुका है। एफएमडी टीकाकरण का द्वितीय चरण दिसम्बर-2022 से शुरू हुआ है।

मंत्री श्री पटेल ने बताया कि द्वितीय चरण में प्रदेश को आवंटित लक्ष्य के विरुद्ध 84.29 प्रतिशत की उपलब्धि के साथ यह प्रगति देश में सर्वाधिक है। उल्लेखनीय है कि गत वर्ष भी प्रथम चरण में मध्यप्रदेश द्वारा राष्ट्रीय पशु रोग नियंत्रण कार्यक्रम में देश में सर्वाधिक टीकाकरण किया गया था।

मुख्यमंत्री श्री चौहान ने महिलाओं के हित में की बड़ी घोषणा

लाड़ली लक्ष्मी योजना-2 के बाद अब लाड़ली बहना योजना होगी शुरू : मुख्यमंत्री श्री चौहान

- महिलाओं को हर साल राज्य सरकार देगी 12 हजार रूपये
- योजना पर 5 वर्षों में अनुमानित 60 हजार करोड़ रूपये खर्च होंगे
- श्रीमहाकाल लोक की तरह बनाया जायेगा नर्मदापुरम लोक
- नर्मदा कॉरीडोर भी बनाया जायेगा
- पौध-रोपण, बेटी बचाओ-बेटी पढ़ाओ, नशामुक्ति और स्वच्छता का दिलाया संकल्प
- विकास कार्यों का किया लोकार्पण और भूमि-पूजन
- मुख्यमंत्री सपत्नीक नर्मदा जयंती एवं नर्मदापुरम के गौरव दिवस समारोह में हुए शामिल

भोपाल : मुख्यमंत्री श्री शिवराज सिंह चौहान ने नर्मदा जयंती एवं नर्मदापुरम के गौरव दिवस पर घोषणा की कि लाड़ली लक्ष्मी योजना की तरह अब प्रदेश में लाड़ली बहना योजना शुरू की जायेगी। योजना में सभी वर्गों की गरीब बहन को प्रतिमाह एक हजार रूपये मिलेंगे और यदि उन्हें अन्य योजनाओं का लाभ मिल रहा है, तो वह पूर्ववत् मिलता रहेगा। योजना पर 5 वर्षों में अनुमानित 60 हजार करोड़ रूपये खर्च होंगे। उन्होंने कहा कि लाड़ली बहना योजना प्रदेश की बहनों की जिन्दगी को और बेहतर बनायेगी। मुख्यमंत्री ने कहा कि मुझे मेरी बहनों को आर्थिक रूप से सशक्त करना है। बहनें सशक्त होंगी तो परिवार सशक्त होगा, परिवार सशक्त होगा तो समाज सशक्त होगा, समाज सशक्त होगा तो प्रदेश सशक्त होगा।

नर्मदा जयंती पर नर्मदपुरम के गौरव दिवस में शामिल हुए। उन्होंने नर्मदा घाट पर सपत्नीक नर्मदा मैया की विधि-विधान से पूजा-अर्चना और आरती की। मुख्यमंत्री श्री चौहान ने गौरव दिवस पर जिले को अनेक विकास कार्यों की सौगात देते हुए श्री महाकाल लोक की तर्ज पर नर्मदापुरम लोक और नर्मदा कॉरीडोर बनाने की घोषणा की। उन्होंने कहा कि नर्मदापुरम विकास के लिये कोई कसर नहीं छोड़ी जायेगी। यहाँ आधुनिक बस स्टेण्ड भी बनाया जायेगा।

नर्मदा जयंती और गौरव दिवस पर मुख्यमंत्री श्री चौहान ने विकास कार्यों का जल मंच से वर्चुली भूमि-पूजन और लोकार्पण किया। इसमें प्रमुख रूप से 11 करोड़ 26 लाख रूपये की लागत से निर्मित नवीन आयुक्त नर्मदापुरम के भवन का लोकार्पण, 1 करोड़ 97 लाख की लागत से रामलीला मैदान के उन्नयन, 2 करोड़ रूपये की लागत से मुख्यमंत्री अधो-संरचना एवं विभिन्न विकास कार्य और 5 करोड़ 53 लाख रूपये की लागत वाले नगर के आडिटोरियम का वर्चुअली भूमि-पूजन किया।

समारोह को सांसद श्री राव उदयप्रताप सिंह और विधायक श्री सीतासरन शर्मा ने भी संबोधित किया। जिले के प्रभारी एवं खनिज साधन मंत्री श्री ब्रजेन्द्र प्रताप सिंह सहित जनप्रतिनिधि और बड़ी संख्या में नागरिक उपस्थित रहे।

सतत् विकास लक्ष्यों को पूरा करने में भारत का मॉडल ऐतिहासिक

भोपाल। जी-20 के सतत् विकास लक्ष्यों को पूरा करने में स्थानीयकरण की महत्वपूर्ण भूमिका है और इसमें सरकार, समाज और निजी संगठनों का त्रिकोणीय सहकार आवश्यक है। इसके द्वारा हम वैश्विक परिदृश्य बदल सकते हैं। त्रिकोणीय सहकार में भारत महत्वपूर्ण कार्य कर रहा है। कोविड महामारी और यूक्रेन संकट के समाधान में भारत की महत्वपूर्ण भूमिका रही है। सतत् विकास लक्ष्यों को पूरा करने में भारत का मॉडल ऐतिहासिक है। प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने यूगांडा में वर्ष 2018 में स्थानीय क्षमता को अधिक से अधिक बढ़ाने पर जोर दिया था। सतत् विकास के 2030 एजेंडे को पूरा करने की दिशा में भारत तेज गति से बढ़ रहा है।

कुशाभाऊ ठाकरे अंतर्राष्ट्रीय कन्वेंशन सेंटर जी-20 के विशेष थिंक-20 कार्यक्रम में "सतत् विकास लक्ष्यों के स्थानीयकरण में त्रिकोणीय सहकार" सत्र में आज वक्ताओं द्वारा यह बात प्रमुखता से रखी गई। सत्र की अध्यक्षता आरआईएस नई दिल्ली के विद्वान, राजदूत श्री अमर सिन्हा ने की। उन्होंने सत्र के निष्कर्षों पर प्रकाश डालते हुए बताया कि सतत् विकास लक्ष्यों के स्थानीयकरण में त्रिकोणीय सहकार के लिये प्रभावी मॉनिटरिंग सिस्टम, इनोवेटिव फायनेसिंग, विभिन्न हितधारकों का स्वामित्व, अवधारणा को कार्य में परिवर्तित करने, जी-20 के विकास लक्ष्यों के लिये कार्य कर रहे विभिन्न समूहों को केन्द्र में लाने, प्राकृतिक आपदा से निपटने के साथ उन्हें रोकने के प्रयास, लैंगिक असमानता को दूर करने आदि की आवश्यकता है। कुछ मामलों में स्थानीय सरकारों को नियंत्रित करने की भी आवश्यकता है, जहाँ पर जी-20 के सतत् विकास लक्ष्यों के विरूद्ध कार्य किया जा रहा है, जैसे कि अफगानिस्तान।

सत्र के प्रमुख वक्ता विदेश मंत्रालय भारत सरकार के संयुक्त सचिव श्री संदीप चक्रवर्ती ने कहा कि सतत् विकास लक्ष्यों की प्राप्ति के लिये मिश्रित वित्त पोषण, सोलर एनर्जी, पर्यावरण संरक्षण, चक्रीय अर्थ-व्यवस्था आदि की आवश्यकता है। त्रिकोणीय सहकार से भारत में इन लक्ष्यों की प्राप्ति के लिये विभिन्न क्षेत्रों में कार्य किया जा रहा है। भारत वैश्विक नवाचार कार्यक्रम पर तेज गति से कार्य कर रहा है। भारत और फ्रांस के सहयोग से कई राष्ट्रीय उद्यानों का संधारण किया जा रहा है। चक्रीय अर्थ-व्यवस्था के लिये भारत में कई प्रयोग किये जा रहे हैं। होटलों से निकलने वाले फूड वेस्ट को बायोगैस में बदला जा रहा है।

जर्मनी की वक्ता ऊवे गैहलैल ने कहा कि त्रिकोणीय सहकार में भारत और जर्मनी महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहे हैं। डिजिटलाइजेशन में भारत में जो कार्य हुआ है, वो पूरे विश्व में अद्वितीय है। इंस्टीट्यूट ऑफ एप्लाइड इकोनामिक रिसर्च ब्राजील के डॉ. आंद्रे डिसूजा ने कहा कि सरकारों के साथ विभिन्न निजी संस्थाओं की जी-20 के सतत् विकास लक्ष्यों को प्राप्त करने में महत्वपूर्ण भूमिका है। स्थानीयकरण में समाज का पूरा-पूरा योगदान लिया जाना चाहिए। ड्यूसबर्ग यूनिवर्सिटी जर्मनी के श्री गैरारडो ब्राचो ने कहा कि स्वामित्व की स्थानीय अवधारणा की अवहेलना नहीं की जानी चाहिए। सतत् विकास लक्ष्यों को प्राप्त करने के लिये संबंधित देश की प्राथमिकता को समझना होगा और वहाँ के नागरिकों का सशक्तिकरण करना होगा। एमपीआईडीएसए नई दिल्ली की डॉ. रूचिता बेरी ने कहा कि सतत् विकास लक्ष्यों की प्राप्ति के लिए त्रिकोणीय सहकार, साउथ-साउथ को-ऑपरेशन, 2030 एजेंडे को पूरा करने, कोलम्बो प्लान पर कार्य, खाद्य सुरक्षा, स्वास्थ्य, पेयजल, शिक्षा, स्थानीय लोगों को प्रशिक्षण, दक्षता संवर्द्धन आदि क्षेत्रों में भारत निरंतर कार्य कर रहा है। जीआईडीएस, जर्मनी के डॉ. स्टीफन क्लिंगेबाइल ने कहा कि सतत् विकास लक्ष्यों की प्राप्ति के लिए विकास सहयोग और स्थानीयकरण के क्षेत्र में भारत को और कार्य करना चाहिए।

खाद्य प्रसंस्करण मंत्रालय ने मंडला में बाजरा, कोदो-कुटकी को बढ़ावा देने के लिए मिलेट कॉन्क्लेव का आयोजन किया

मंडला: खाद्य प्रसंस्करण और उद्योग मंत्रालय ने पीएचडी चैंबर ऑफ कॉमर्स एंड इंडस्ट्री के सहयोग से जेएनकेवीवी, कृषि विज्ञान केंद्र, मंडला में इस क्षेत्र में माइनर बाजरा – कोदो-कुटकी को बढ़ावा देने के लिए मिलेट कॉन्क्लेव सह प्रदर्शनी का आयोजन किया। माननीय खाद्य प्रसंस्करण उद्योग और जल शक्ति राज्य मंत्री, श्री प्रहलाद सिंह पटेल इस कार्यक्रम के मुख्य अतिथि थे।

माननीय मुख्य अतिथि ने मिलेट्स को बढ़ावा देने पर जोर दिया और कहा कि वर्ष 2023 को अंतरराष्ट्रीय मिलेट वर्ष घोषित किया गया है। यह भारतीय मिलेट्स के लिए सुनहरा अवसर है। खाद्य प्रसंस्करण कंपनियों को अपने अनूठे उत्पादों के माध्यम से अंतरराष्ट्रीय बाजारों पर कब्जा करने के लिए प्रयास करना चाहिए। मुख्य अतिथि के साथ, क्षेत्र के विभिन्न गणमान्य लोगों ने भी किसानों और प्रोसेसर को कोदो की खेती और प्रसंस्करण के लिए प्रेरित करने के लिए इस अवसर पर, पीएमएफएमई योजना के लाभार्थियों को मंत्री द्वारा चेक और पीएचडीसीसीआई की कृषि व्यवसाय और खाद्य प्रसंस्करण समिति द्वारा तैयार की गई नॉलेज रिपोर्ट, मिलेट्स से सम्मानित किया गया। माननीय मंत्री श्री प्रह्लाद सिंह पटेल द्वारा पावरहाउस ऑफ न्यूट्रिशन का हिंदी और अंग्रेजी में विमोचन भी किया गया।अपने विचार साझा किए। पहली मोबाईल मिलेट वैन को मुख्य अतिथि ने हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। बाजरा वैन राज्य में अपनी तरह की पहली है और इसका उद्देश्य बाजरा के बारे में मंडला जिले के विभिन्न ब्लॉकों में ज्ञान का प्रसार करना है।

इस कार्यक्रम में हजारों से अधिक लोगों ने भाग लिया, जहां जवाहर लाल नेहरू कृषि विश्व विद्यालय, इंस्टीट्यूट ऑफ होटल मैनेजमेंट भोपाल, नाबार्ड, एपीडा, एफपीओ और विभिन्न स्टार्ट अप के विशेषज्ञों ने इस विषय पर स्थानीय उत्पादकों और प्रोसेसरों को जानकारी देते हुए अपने अनुभव साझा किए।

पीएमएफएमई योजनाओं के विभिन्न लाभार्थियों, स्वयं सहायता समूहों, स्टार्ट अप, एफपीओ, बागवानी विभाग, नाबार्ड, एपीडा और क्षेत्र और राज्य के बाजरा खाद्य प्रसंस्करणकर्ताओं द्वारा तीस से अधिक स्टाल प्रदर्शित किए गए।

अपने भाषण के दौरान मंत्री जी ने यह भी कहा कि कि 2023 में भारत की अध्यक्षता में जी20 की सभी बैठकों में दोपहर का नाश्ता और रात का खाना विशेष रूप से मिलेट्स पर आधारित होगा क्योंकि यह जी20 देशों के बीच भारतीय मिलेट्स उत्पादों को लोकप्रिय बनाने में मदद करेगा।

मध्यप्रदेश की धरती पर कोई भी गरीब परिवार आवास के बिना नहीं रहेगा

भोपाल। मुख्यमंत्री श्री चौहान ने कहा कि हमने यह संकल्प लिया है कि मध्यप्रदेश की धरती पर कोई भी गरीब परिवार आवास के बिना नहीं रहेगा। इसके लिये प्रदेश में लगातार अभियान जारी है। जिन गरीब परिवारों के पास आवास बनाने के लिये भूखण्ड नहीं है, ऐसे सभी परिवारों को मुख्यमंत्री आवासीय भू-अधिकार योजना में नि:शुल्क भू-खंड देने का महाअभियान शुरू हो चुका है। प्रधानमंत्री आवास योजना में मध्यप्रदेश को मिले 38 लाख आवास निर्माण के लक्ष्य के विरूद्ध 34 लाख आवास बन कर पूरे हो चुके हैं। मुख्यमंत्री ने कहा कि ग्रामीण क्षेत्रों के साथ शहरी क्षेत्र में भी पात्र लोगों को आवासीय भू-खंड या मल्टी स्टोरी बना कर आवास दिये जायेंगे।

शीघ्र आयें प्रवेश पायें

म.प्र.राज्य सहकारी संघ मर्यादित , भोपाल द्वारा संचालित
माखनलाल चतुर्वेदी राष्ट्रीय पत्रकारिता विश्वविद्यालय भोपाल से सम्बद्ध

PGDCA	DCA
(योग्यता - स्नातक उत्तीर्ण)	(योग्यता -10 +2 उत्तीर्ण)
कुल फीस 9100/-	कुल फीस 8100/-

संपर्क :-

सहकारी कम्प्यूटर एवं प्रबंध प्रशिक्षण केंद्र
ई- 8/77 शाहपुरा ,त्रिलंगा ,भोपाल फोन : 0755-2926160 , 2926159
मो. 8770988938 , 9826876158 Website-www.mpscu.in
Web Portal-www.mpscuonline.in Email-rajyasanghbpl@yahoo.co.in

सहकारी प्रशिक्षण केन्द्र
किला मैदान इंदौर, म.प्र. पिन – 452006
फोन- 0731-2410908 मो. 9926451862, 9755343053
Email - ctcindore@rediffmail.com

म.प्र.राज्य सहकारी संघ मर्यादित, भोपाल द्वारा संचालित
(म.प्र. शासन सहकारिता विभाग द्वारा अनुमोदित)

सहकारी संस्थाओं के अधिकारियों एवं कर्मचारियों हेतु सहकारी प्रबंध में उच्चतर पत्रोपाधि पाठ्यक्रम

Higher Diploma in Cooperative Management (HDCM)
माध्यम - ऑनलाईन
योग्यता - स्नातक उत्तीर्ण अवधि - 20 सप्ताह ऑनलाईन आवेदन/
प्रवेश की अंतिम तिथि – 28 फरवरी 2023
कुल फीस - 20200/-
ऑनलाइन आवेदन / प्रवेश हेतु राज्य संघ के
पोर्टल www.mpscuonline.in पर विजिट करें।

संपर्क :-

म.प्र.राज्य सहकारी संघ मर्यादित , भोपाल
ई- 8/77 शाहपुरा, त्रिलंगा, भोपाल फोन : 0755-2926160 , 2926159
मो. 8770988938 , 9826876158
Website-www.mpscu.in, Web Portal-www.mpscuonline.in
Email-rajyasanghbpl@yahoo.co.in

सहकारी प्रशिक्षण केन्द्र
किला मैदान इंदौर, म.प्र. पिन – 452006
फोन- 0731-2410908 मो. 9926451862, 9755343053
Email - ctcindore@rediffmail.com

सहकारी प्रशिक्षण केन्द्र
हनुमान ताल जबलपुर, म.प्र पिन - 482001
मो. 9424782856 , 8827712378
Email - ctcjabalpur@gmail.com

सहकारी प्रशिक्षण केन्द्र नौगांव
जिला छत्तरपुर, म.प्र. पिन – 471201
9424782856 , 9755844511
Email - ctcnowgong@gmail.com

देश में मिलेट्स के उत्पादन, निर्यात बढ़ने का लाभ किसानों को मिलेगा

बेंगलुरु। केंद्रीय कृषि मंत्री श्री नरेंद्र सिंह तोमर ने कहा है कि देश के छोटे किसानों के प्रति प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी अत्यधिक संवेदनशील है। श्री मोदी ने दूरदृष्टि के साथ मिलेट्स के विषय को संयुक्त राष्ट्र संघ में उठाया, जहां भारत सरकार के प्रस्ताव का 72 देशों ने समर्थन किया और संयुक्त राष्ट्र की घोषणा के अनुरूप अब वर्ष 2023 को अंतरराष्ट्रीय मिलेट्स ईयर के रूप में भारत की अगुवाई में मनाया जा रहा है। इसके पीछे मिलेट्स का उत्पादन व उत्पादकता, प्रोसेसिंग और निर्यात बढ़ाना सरकार का मुख्य उद्देश्य है, जिससे अंततः देश के किसानों को ही फायदा मिलेगा।

केंद्रीय मंत्री श्री तोमर ने यह बात बेंगलुरू में मिलेट्स एवं जैविक उत्पादों पर आधारित इंटरनेशनल ट्रेड फेयर के समापन समारोह में मुख्य अतिथि के रूप में कही। श्री तोमर ने कहा कि मिलेट्स की फसलें कम पानी में उगाई जा सकती है। किसानों की आय बढ़ाने में मिलेट्स का भी योगदान होगा। देश में मिलेट्स का उत्पादन व खपत बढ़ने के साथ इसका निर्यात भी बढ़ेगा, जिसका लाभ बड़ी संख्या में किसानों को मिलेगा।

म.प्र. राज्य सहकारी संघ मर्यादित भोपाल की ओर से प्रकाशक, मुद्रक गणेश प्रसाद मांझी द्वारा मध्यप्रदेश राज्य सहकारी मुद्रणालय परिमित, भोपाल से मुद्रित एवं ई-8/77, शाहपुरा भोपाल से प्रकाशित। प्रबंध सम्पादक : ऋतुराज रंजन, संपादक : गणेश प्रसाद मांझी डॉक पंजीयन क्रमांक : म.प्र./भोपाल/357/2021-23 मुद्रित पत्र रजि. नं./आर.एन./13063/1967, फोन : 2926159, 2926160, इस अंक में प्रकाशित रचनाओं में व्यक्त विचार लेखकों के अपने हैं जिनमें संपादकीय सहमति आवश्यक नहीं है।